बृहस्पतिवार

29 जुलाई 2021

पृष्ठ 4

स्तन कैंसर में असरदार होती है ब्रोकली

पृष्ठ 5

कैटरीना के साथ टाइगर 3 के सेट पर लौटने को तैयार सलमान

- देहरादून
- वर्ष 28
- अंक 174
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सभी वस्तुओं की अति दोष उत्पन्न करती है।

– भवभूति

दूनवैलीमेल

29 वां वर्ष email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई. 59626/94

सांध्य दैनिक

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

भाजपा के गले फंसा देवस्थानम बोर्ड

संवाददाता

देहरादून। भले ही उत्तराखण्ड विधानसभा चुनाव में 6 माह का समय सही, लेकिन भाजपा और कांग्रेस ने चुनावी तैयारियों को धार देना शुरू कर दिया है। कांग्रेस भले ही विपक्ष में है लेकिन महंगाई, बेरोजगारी तथा कोरोना प्रबंधन की विफलता सहित कई राष्ट्रीय मुद्दों के साथ भू-कानून और देवस्थानम बोर्ड जैसे कई स्थानीय मुद्दे उसके पास है। जबकि भाजपा अपने चुनावी प्रचार और प्रबंधन के मुद्दे पर चुनाव जीतने का खाका खींच रही है।

त्रिवेंद्र सरकार द्वारा किया गया देवस्थानम बोर्ड गठन का फैसला अब भाजपा सरकार के लिए सबसे बड़ी मुसीबत बन चुका है। तीन माह के अंदर दो मुख्यमंत्री और गैरसैंण को कमिश्नरी बनाए जाने जैसे फैसलों को पलटने से भाजपा और सरकार की छवि पहले ही खराब हो चुकी है। अब अगर देवस्थानम बोर्ड के फैसले को अगर सरकार पलटती है तो यह उसकी और भी किरकिरी कराने वाला होगा। निवर्तमान सीएम तीरथ सिंह रावत से लेकर सीएम धामी तक

❑कांग्रेस सरकार करेगी बोर्ड को रद्दः गणेश
❑भू-कानून भी रहेगा अहम चुनावी मुद्दा

इस मुद्दे पर पुनर्विचार के आश्वासन से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।

सवाल यह है कि भाजपा खुद ही इस प्रस्ताव को लाई और उसी ने इसे विधानसभा में पारित भी कराया। अब जब राज्यपाल की मुहर लग चुकी है और यह प्रस्ताव एक्ट बन गया है तब सरकार भला इसे कैसे रद्द कर सकती है। भाजपा के पास अब तीर्थ पुरोहित और हक-हकूक धारियों की नाराजगी को समाप्त करने का कोई रास्ता नहीं बचा है। कांग्रेस इस तथ्य को अच्छी तरह से जान समझ रही है। यही कारण है कि कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल तथा पूर्व सीएम हरीश रावत ताल ठोक कर कह रहे हैं कि कांग्रेस की सरकार बनी तो देवस्थानम बोर्ड को वह रद्द कर देंगे। कांग्रेस के नेताओं द्वारा प्रदेश में सख्त भू-कानून लाने की बात भी कही जा रही है। यह दोनों मुद्दे चुनावी दृष्टि से इतने अधिक महत्व के हैं कि जो चुनाव का रुख पलट सकते हैं। इनकी महत्ता को इस बात से भी समझा जा सकता है कि संघ ने भाजपा को इन दोनों मुद्दों के शीघ्र समाधान का सुझाव दिया है।

भाजपा की सरकार देवस्थानम बोर्ड के फैसले को नहीं पलट पाएगी तथा एकमात्र शेष बचे मानसून सत्र में नया भू कानून लाना व उसे धरातल पर उतारना भी आसान नहीं होगा। यही कारण है कि कांग्रेस इन्हें लेकर सबसे ज्यादा उग्र दिखाई दे रही है।

रोजाना 10 से 12 बजे तक जन-समस्याएं सुनेंगे अधिकारीः संधु

नगर संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने प्रदेश में सुशासन के दृष्टिगत जनसंवाद एवं जन समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए हैं। आयुक्त गढ़वाल एवं कुमायूं, समस्त जिलाधिकारियों एवं तहसील एवं विकास खण्ड अधिकारियों को जारी अपने आदेश में मुख्य सचिव ने जन समस्याओं के समाधान की व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने सभी मण्डल, तहसील, विकास खण्ड स्तरीय कार्यालयों के कार्यालयाध्यक्षों द्वारा प्रतिदिन पूर्वाह्न 10 बजे से 12 बजे तक जन सम्पर्क एवं जन समस्याओं के समाधान हेतु अपने कार्यालयों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पूर्वाह्न 10 से 12 बजे कोई अन्य बैठक नियत न किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि अपरिहार्य कारणों से व्यक्तिगत उपलब्धता सम्भव न होने की दशा में अन्य सक्षम प्राधिकारी की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जन सम्पर्क के दौरान भेंट करने वाले व्यक्तियों के प्रति यथोचित शिष्टाचार

❑प्रत्येक माह प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को तहसील दिवस आयोजित किए जाने के निर्देश

के साथ प्राप्त समस्याओं एवं विषयों को गम्भीरता से लेते हुए समयबद्धता एवं गुणवत्तापूर्वक निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव डॉ. संधु ने तहसील स्तर पर भी प्रत्येक माह प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को 'तहसील दिवस' आयोजित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पूर्व

◀◀ शेष पृष्ठ 3 पर

एक दिन में केरल में कोरोना के 22 हजार नए मामले दर्ज

नई दिल्ली। केरल में बीते २४ घंटे में कोरोना वायरस के २२,०५६ नए मामले दर्ज किए गए हैं और १३१ मरीजों की मौत हुई है। अब केरल में कोविड–१६ से संक्रमित कुल मरीजों की संख्या ३३,२७,३०१ हो गई है। जबकि कोविड–१६ से मरने वालों की संख्या राज्य में १६,४५८ हो गई है। राज्य में अब तक ३१,६०,८०४ मरीज कोरोना वायरस को मात दे चुके हैं। केरल सरकार ने राज्य में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों को देखते हुए गुरुवार को बड़ा निर्णय लिया है।

केरल सरकार ने राज्य में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों की वजह से ३१ जुलाई और १ अगस्त को पूर्ण लॉकडाउन लगाने का फैसला लिया है। बता दें कि केरल में कोरोना वायरस के मामले बहुत ही तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। देशभर में एक दिन में आ रहे नए मरीजों में सबसे ज्यादा तादाद केरल की है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है कि सरकार राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के निदेशक की अध्यक्षता में ६ सदस्यीय टीम केरल भेज रही है। चूंकि केरल में अभी भी बड़ी संख्या में कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं, इसलिए टीम कोविड–१६ प्रबंधन में राज्य के चल रहे प्रयासों में सहायता करेगी। भारत में केरल राज्य में बीते २४ घंटे में सबसे अधिक कोविड–१६ के मामले दर्ज किए गए हैं।

देश में फिर डराने लगे कोरोना वायरस के मामले, पिछले 24 घंटों में आए 43159 नये केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण का खतरा एक बार फिर बढ़ने लगा है। बढ़ते खतरे को देखते हुए केरल में संपूर्ण लॉकडाउन का फैसला लिया गया है। राज्य सरकार ने ३१ जुलाई और १ अगस्त को संपूर्ण लॉकडाउन लगा दिया है।

पिछले २४ घंटे में कोरोना के ४३१५६ नये मामले सामने आये हैं। कोरोना को पिछले २४ घंटे में ३८५२५ लोग मात दे चुके हैं। पिछले २४ घंटे में ६४० लोगों की मौत हो चुकी है। इस वक्त देश में एक्टिव केस की संख्या ३ लाख ६७ हजार के आंकड़े को पार कर रही है। कोरोना की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ३६८७ मरीजों की बढ़ोतरी एक दिन में

हुई है।

पिछले ७७ दिनों में यह संक्रमण के मामलों की संख्या सबसे ज्यादा है। कोरोना संक्रमण के नियमों को लेकर राज्यों को भी पाबंदी बढ़ानी पड़ सकती है। फिलहाल जिन राज्यों में ज्यादा सख्ती है उसमें ८ राज्य शामिल है। मुख्य रूप से इन राज्यों में पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी शामिल हैं जहां लॉकडाउन जैसे कड़े प्रतिबंध लगाये गये हैं। देश के २३ राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में आंशिक लॉकडाउन लगाया गया है। जिन राज्यों में अब भी पाबंदी लगी है उनमें मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और गुजरात शामिल है। केरल में बढ़ रहे मामले को लेकर एक बार फिर राजनीति तेज है। बकरीद के वक्त दी गयी राहत केरल में संक्रमण के मामलों में हुई बढ़ोतरी बड़ा कारण बतायी जा रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सूबे की खस्ताहाल सड़कें

इन दिनों उत्तराखंड में बारिश ने कहर बरपा रखा है। भारी बारिश के कारण राज्य के तमाम राष्ट्रीय राजमार्गों सहित साढ़े तीन सौ से अधिक सड़कें बंद हो चुकी हैं जिन पर या तो भूस्खलन के कारण भारी मात्रा में मलबा आ गया है या पानी के तेज बहाव में यह सड़कें बह गई हैं। यही नहीं सूबे के नदी नालों और खालो पर बने दर्जनभर स्थाई और अस्थाई पुल भी टूट चुके हैं। जिससे उत्तराखंड की लाइफ लाइन कही जाने वाली यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। बीते कुछ सालों में यह समस्या राज्य में चल रहे ऑलवेदर चारधाम मार्ग निर्माण के कारण भी बढ़ी है। सड़क चौड़ीकरण के लिए किए जा रहे कटान के कारण राज्य में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी है। पहाड़ों के कमजोर होने से वह धूप, सर्दी और बरसात की मार नहीं झेल पा रहे हैं। राज्य में एक तिहाई सड़कों पर आवागमन अगर बाधित हो जाए तो इससे तमाम तरह की समस्याओं का पैदा होना भी स्वाभाविक है। सड़कों के टूट जाने से सैकड़ों गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट जाता है। जरूरी खाद्य सामग्री का लोगों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है वहीं अगर कोई मेडिकल इमरजेंसी या प्राकृतिक आपदा की स्थिति होती है तो पीड़ितों को समय रहते सहायता पहुंच पाना भी संभव नहीं होता है। बात अगर देहरादून जिले की की जाए तो इस समय जिले की 26 सड़कें बंद पड़ी हैं तथा यही हाल उत्तरकाशी जहां 72 तथा चमोली जहां 80 व पौड़ी की 50 सड़कें फिलहाल आवाजाही के लिए बंद पड़ी हैं। भले ही इन सड़कों को खोलने का कार्य लगातार चलता रहता है लेकिन पूरे 3 महीने तक इन सड़कों की यही स्थिति बनी रहती है। सड़कों को खोलने व बंद होने का यह सिलसिला पूरे मानसून यूं ही चलता रहता है। इन सड़कों पर आए मलबे को भले ही हटा दिया जाए लेकिन जो सड़कें टूट जाती है उनका निर्माण कार्य बारिश में संभव नहीं होता यही कारण है कि हर साल मानसूनी सीजन में उत्तराखंड की सड़कों की हालत बद से बदतर हो जाती है। कोरोना की दूसरी लहर थमने के बाद उत्तराखंड सरकार राज्य में चारधाम यात्रा को शुरू करने की लड़ाई लड़ रही है यह अलग बात है कि मामले के सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद हाईकोर्ट ने अभी अट्ठारह अगस्त तक इस पर रोक लगा रखी है लेकिन आज की ताजा स्थिति पर गौर करें तो गंगोत्री–यमुनोत्री ही नहीं बदरीनाथ राजमार्ग तक बंद पड़े हैं। ऐसे में क्या राज्य में चारधाम यात्रा का शुरू किया जाना संभव है? सही मायने में राज्य की सड़कों की वर्तमान स्थिति न पर्यटक के लिहाज से न चार धाम यात्रा के हिसाब से उचितं है। सरकार सड़कों की इस स्थिति पर क्या कहती है अलग बात है लेकिन मानसून से पूर्व सड़कों की स्थिति सुधारे जाने पर सरकार ने काम नहीं किया यह भी सच है अन्यथा स्थिति इतनी अधिक खराब नहीं होती।

‘बॉर्डर पर पहुंचने वाले कांवडियों को वहीं पर गंगाजल उपलब्ध कराया जाये’

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। जिला मजिस्ट्रेट हरिद्वार रविशंकर ने अवगत कराया कि कोविड–१६ के प्रसार के दृष्टिगत उत्तराखण्ड राज्य में होने वाली कांवड यात्रा को वर्ष २०२१ हेतु प्रतिबन्धित किया गया है। शासन द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि जनपद स्थित चौकपोस्टों पर कांवड़ियों की सुविधा हेतु बॉर्डर पर पहुंचने वाले कांवडियों को वहीं पर गंगाजल उपलब्ध कराया जाये, जिसके दृष्टिगत कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट के आदेशानुसार अधिशासी अभियन्ता, उत्तराखण्ड जल संस्थान हरिद्वार को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

संज्ञान में आया है कि दिनांक २६ एवं २७ जुलाई तक बॉर्डर से वापस किये जाने वाले कांवडियों की संख्या अतिन्यून है, जबकि उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा १० बॉर्डर चौक पोस्टों पर कांवडियों हेतु अत्याधिक मात्रा में गंगाजल उपलब्ध कराया गया है। शासन की मंशा कांवडियों को सीमित मात्रा में (अधिकतम ५००एम०एल०) गंगाजल उपलब्ध कराने की रही है।

जिला मजिस्ट्रेट हरिद्वार द्वारा गंगाजल का बॉर्डर चौक पोस्टों पर पारदर्शिता के साथ कांवडियों को वितरण हेतु नोडल अधिकारी/सहायक नोडल अधिकारी एवं चौक पोस्ट प्रभारियों की तैनाती की गयी है। तैनात किये गये समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सभी चौक पोस्टों पर गंगाजल का वितरण मात्र कांवडियों को सीमित मात्रा में ही किया जाए। इसके अतिरिक्त यह भी निर्देश दिये गये हैं कि यदि ०२ या ०३ अथवा उससे अधिक चौक पोस्टों पर गंगाजल के एक ही टैंकर से, आने वाले कांवडियों को गंगाजल की आपूर्ति की जा सकती है तो उसके अनुसार आज ही अविलम्ब आख्या जिला मजिस्ट्रेट को उपलब्ध करा दें। साथ ही चौक पोस्ट प्रभारी कांवडियों को वितरित किये जाने वाले गंगाजल का लेखा जोखा/अद्यावधिक अभिलेख भी अपने पास सुरक्षित रखेंगे तथा नोडल अधिकारी/सहायक नोडल अधिकारी प्रतिदिन उसका अवलोकन करेंगे।

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा चिड़ियापुर बैरियर चौक पोस्ट, थाना श्यामपुर में नोडल अधिकारी अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हरिद्वार श्री दीपक कुमार, सहायक नोडल अधिकारी, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग हरिद्वार श्री राजेश कुमार तथा चौक पोस्ट प्रभारी श्री राजकुमार शर्मा–राजस्व निरीक्षक फेरूपुर हरिद्वार को नामित किया गया है।

चीनी साम्राज्यवाद के मुकाबले का वक्त

जी. पार्थसारथी

इस विवादास्पद मुद्दे पर बहस होती रहती है कि क्या नई बनती वैश्विक व्यवस्था, जिसमें उतरोत्तर मुखर और आक्रामक होता चीन अपना प्रभुत्व बनाना चाहता है इसके मद्देनजर भारत को अपनी गुट–निरपेक्ष नीति त्याग देनी चाहिए। हालांकि, गुटनिरपेक्षता के आदर्श या कहें कि असल गुटनिरपेक्षता निभाने के फायदे भी हैं। तभी रूस और अमेरिका, दोनों देशों के साथ हमारे संबंध मधुर हैं। तथापि आज की दुनिया में हकीकत यह है हमारी सीमाओं पर शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले चीन से चुनौतियां दरपेश हैं। चीन अपनी बढ़ती आर्थिकी और सैन्य ताकत का निरंतर दुरुपयोग करते हुए 18 मुल्कों के साथ लगती थलीय और जलीय सीमा संबंधी मनमाने दावे जता रहा है। हम यह भी देख रहे हैं चीन द्वारा राष्ट्रों के हक रौंदकर अपना प्रभुत्व बनाने के खिलाफ उठ खड़े होने को वियतनाम जैसे छोटे देशों के दृढ़ निश्चय और इच्छाशक्ति में इजाफा भी हुआ है।

चीनी नेतृत्व के दिमाग में यह ग्रंथि है कि राष्ट्रों के साथ द्विपक्षीय रिश्तों के नियम वह तय करेगा और उन्हें उनका पालन करना होगा। भारत के खिलाफ चीन की नीति एकदम साफहै, वह हमारी घेराबंदी करना चाहता है, इसके लिए सैन्य ताकत इस्तेमाल कर समय–समय पर श्सलामी कटिंग्य वाली नीति से टुकड़ों में इलाका हड़पता आया है। जहां पहले उसका ध्यान हमारी पूरबी सीमाओं पर भूमि कब्जाने पर केंद्रित था, वहीं पिछले कुछ सालों से अब लद्दाख वाली उत्तरी सीमा पर भी यही करने लगा है। पिछले साल हिमालय की ऊंचाइयों पर बनी आमने–सामने वाली तनावपूर्ण स्थिति के बाद, जिसमें दोनों ओर से टैंक तक तैनात कर दिए गए थे, अंततरू चीनी फौज के पीछे हटने पर संधि हुई थी। तय हुआ था कि चीनी सैनिक जनवरी, 2020 वाले अपने ठिकानों तक वापस होंगे। इसके बावजूद भारतीय क्षेत्र में देपसांग, गोगरा और हॉट स्प्रिंग इलाके पर अभी भी चीन का नियंत्रण बरकरार है।

भारत को नाथने् के प्रयासों में चीन का एक तरीका यह भी है कि दीगर दक्षिण एशियाई मुल्कों में वह उन राजनीतिक दलों और नेताओं की मदद करता है, जिनकी धारणा भारत–विरोधी है। पिछले सालों में इसका सुबूत नेपाल, मालदीव और श्रीलंका में देखने को मिला है। चीन की यह नीति हर बार काम नहीं करती क्योंकि अधिकांश दक्षिण एशियाई राजनेताओं को अब पता चल गया है कि बेबात भारत को नाराज करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। इसके अलावा कुछ राजनेता जैसे कि बांग्लादेश की शेख हसीना और भूटान की राजशाही को चीन द्वारा फुसलाए जाने वाले प्रयासों का खासा अनुभव है। भूटान के साथ मौजूदा सीमा को भी चीन मान्यता नहीं देता। चीन ने भारतीय हितों को चोट पहुंचाने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करना जारी रखा हुआ है। चाहे यह काम अफगानिस्तान में तालिबान का समर्थन करके हो या फिर पाकिस्तान की थल, जल और नभ सैन्य क्षमता को मिसाइलों और परमाणु आयुधों से लैस करके सुदृढ़ करने वाला हो। इसके अलावा चीन ने बेल्ट एंड रोड नामक परियोजना की आड़ में मालदीव, श्रीलंका और पाकिस्तान को कर्ज के मकडजाल में फंसाकर उनकी सार्वभौमिकता को गिरवी रख लिया है, लेकिन अब उनको यह खेल समझ आने लगा है। हिंद–प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में चीन द्वारा अधिनायकवादी प्रभुत्व बनाने वाले प्रयासों का जवाब देने को भारत अब बेहतर स्थिति में है।

चीन के 18 पड़ोसी मुल्कों के साथ थलीय और जलीय सीमा संबंधी विवाद चल रहे हैं, इसकी शुरुआत वियतनाम के बड़े समुद्री इलाके पर अपना दावा ठोंकने से हुई थी। चीन ऐतिहासिक सीमा रेखा का वास्ता देकर वियतनामी क्षेत्र को अपना बताता आया है। उसका दावा है कि मिंग वंश के साम्राज्य में 1368–1644 के बीच यह विवादित इलाका चीन का हिस्सा था। वह वियतनाम के पैरासैल द्वीप, दक्षिण चीन सागरीय सीमावर्ती इलाके और स्पार्टी द्वीप पर भी अपना गैरकानूनी हक जता रहा है। वर्ष 1979 में शुरू होकर इन पड़ोसी देशों में खूनी युद्ध चला था, जिसमें दोनों ओर भारी जानी नुकसान हुआ था। जमीनी लड़ाई 1984 में रुक गई थी लेकिन नौसैन्य झड़पें 1988 तक चली थीं।

फिलीपींस के जलीय क्षेत्र पर भी चीन अपना अवैध दावा ठोक रहा है। इस विवाद में अंतर्राष्ट्रीय जलसीमा न्यायाधिकरण द्वारा फिलीपींस के हक में दिए फैसले को खारिज कर चीन ने अंतर्राष्ट्रीय कानून को धता बताया है। भारत, जापान, फिलीपींस, रूस और वियतनाम के साथ इलाका विवादों के अलावा चीन का विवाद दक्षिण एशियाई मुल्कों में नेपाल और भूटान से भी है। इनके अलावा, उत्तर और दक्षिण कोरिया, ताइवान, ब्रुनेई और ताजिकिस्तान के साथ भी सीमा झगड़े हैं, यहां तक कि आसियान संगठन के सदस्य देश सिंगापुर, ब्रुनेई, मलेशिया, इंडोनेशिया, कम्बोडिया और लाओस के साथ भी। लेकिन चीन की सीमा संबंधी महत्वाकांक्षा का सामना करने में आपसी एकता दिखाने की बजाय आसियान देश इस बात पर बंटे हुए हैं कि चीनी दावों से कैसे निपटा जाए।

12 मार्च, 2021 को जारी घोषणापत्र श्क्काड की भावना्य में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष नेतृत्व ने अपना ध्यान कोविड–19 महामारी से कैसे निपटना है, इस पर सहयोग के उपायों पर केंद्रित रखा है। इन्होंने अंतर्राष्ट्रीय कानून सम्मत एक मुक्त, निर्बाध, नियम आधारित व्यवस्था बनाने की शपथ ली है ताकि हिंद–प्रशांत महासागरीय और उससे परे जलराशि में सुरक्षा यकीनी बनाने और बेजा धमकियों का जवाब देने को पुष्ट किया जाए। घोषणा कहती है श्हम अंतर्राष्ट्रीय कानून सम्मत मुक्त, स्वतंत्रता आधारित व्यवस्था बनाने को प्रतिबद्ध हैं ताकि क्षेत्र में सुरक्षा एवं समृद्धि को बढ़ावा मिल सके। हम कानून के राज कायम करने, स्वतंत्र नौवहनीय एवं वायुमार्गीय आवाजाही, विवादों का शांतिपूर्ण निपटारा करने, लोकतांत्रिक मूल्यों और क्षेत्रीय अखंडता कायम रखने का समर्थन करते हैं्य क्वाड की बैठक में यह सहमति बनी है कि अमेरिका अपनी जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी की मार्फत भारत में 2022 के अंत तक कोविड वैक्सीन के 100 करोड़ टीके बनाने वाला प्लांट स्थापित करवाएगा।

हिंद और प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में चीन पड़ोसी मुल्कों से सीमा संबंधी विवाद वार्ता से सुलझाने की बजाय अपनी इच्छा दूसरों पर थोपने पर आमादा है। यह कृत्य आसियान और बिमस्टेक जैसे संगठनों की मौजूदगी के बावजूद कर रहा है, जिनका मंतव्य क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। जब बात सीमा विवादों की हो, तो चीन अपने नियम–कानून लागू करवाना चाहता है। जिस ढंग से अमेरिका ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी की है, वह समझ से बाहर है। अफगानिस्तान में अमेरिका अपने पीछे जिस अफगान सेना को छोड़ गया है उसके पास हथियार और संसाधन किसी अर्ध–सैनिक बल सरीखे हैं, उसके पास न तो पर्याप्त तोपखाना, टैंक है और न ही अन्य जरूरी उपकरण हैं। तालिबान फिलहाल अफगानिस्तान में एक भी प्रांतीय राजधानी पर कब्जा करने में कामयाब नहीं हो पाया है। यदि अमेरिका अफगानिस्तान में पाकिस्तान की मदद वाले आतंकवाद से सख्ती से नहीं निपटता तो यह मायूस करने वाली बात है। इसकी बजाय अमेरिका वहां एक अन्य श्कवाड्य को बढ़ावा देने में लगा है, जिसका मंतव्य अफगानिस्तान को पाकिस्तान और उजबेकिस्तान से जोडना है। यह देखने में वाकई अजीब है क्योंकि ठीक इसी समय अफगानिस्तान अपने समक्ष जिस सबसे गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, वह है तालिबान, जिसकी मदद पाकिस्तान से जारी है। तथापि अफगानिस्तान में भारत के अपने मित्र हैं, जिनके साथ सहयोग करके मुश्किल भंवर में पड़े इस दोस्त पड़ोसी मुल्क की मदद की जा सकती है।

अव स्य शूराध्वनो नान्तेऽस्मिन्नो अद्य सवने मन्दध्यै।
शंसात्युक्थमुशनेव वेधाश्चिकितुषे असुर्याय मन्म।।

(ऋग्वेद ४–१६–२)

हे परमेश्वर ! हमारी इंद्रियों को विषय भोग के जो बंधन है उन से मुक्त करो। हम अपने जीवन की यात्रा को ज्ञानपूर्वक पूर्ण कर सकें। हमारे यज्ञनिक कार्यों में हमारी रक्षा करो।

O God ! Free our senses from the bondage of the joy of lusts. May we complete the journey of our life with knowledge. Protect us in our Yagnic deeds (sacrificial works). (Rig Veda 4-16-2)

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बी.एल संतोष, प्रदेश पार्टी प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम एवं सह प्रभारी रेखा वर्मा ने शिष्टाचार भेंट की।

दौलाबलिया और बोराआगर में बारिश ने मचाया कहर से कई घरों में घुसा मलबा

संवाददाता

बेरीनाग। विकास खंड के विभिन्न क्षेत्रों में मंगलवार देर रात्रि को भारी बारिश से कई क्षेत्रों में नुकसान पहुंचा है। दौलाबलिया और बोराआगर गांव में तीन दर्जन मकानों पर मलबा आने से खतरे की जद में आ गये है। एक दर्जन मकानों में मलबा घुस गया है। दौलाबलिया में भुवनेश्वर रावलखेत मोटर मार्ग से पानी दौलाबलिया में लोगों के खेतों में चला गया। जिससे खेत बह गये और मलबा घरों में घुस गया। रात्रि को लोगों ने घरों से भागकर जान बचाई। ग्राम प्रधान दौलाबलिया रजनी देवी ने बताया कि जानकी देवी,गोविंद राम,दुर्गा राम,नर राम का मकान के चारों ओर मलबा आ गया है। जिससे मकान खतरे की जद में आ गये है वही दो दर्जन ग्रामीणों मकान भी खतरे की जद में आ गये है। एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही राजस्व उप निरीक्षक को मौके पर भेज दिया गया है। जिनके द्वारा क्षति का आंकलन किया जा रहा है खतरे की जद में आये परिवारों को अन्यत्र शिफ्ट कर दिया है। वही ग्राम प्रधान रजनी देवी ने प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है। वही बोराआगर गांव में पूर्व ग्राम प्रधान सोबन राम ने बताया कि मंगलवार रात्रि को बादल फटने से गांव के अधिकांश खेत बहने के साथ एक दर्जन मकान खतरे की जद में आ गये है। गांव के नीचे स्थित खड़िया खान तक बड़ी दरारे आ गयी है। गांव में जगदीश प्रसाद,राजेश राम,सोबन राम,फकीर राम,खुशी राम,महेश कुमार,भगवत राम,गोविंद राम के मकानों को खतरा पैदा हो गया है। तहसीलदार हिमांशु जोशी ने बताया कि राजस्व टीम के साथ मौके पर जाकर क्षति का आंकलन किया जा रहा है। खतरे की जद में आने वाले मकानों को अन्यत्र शिफ्ट कर दिया जायेगा।आपदा मानकों के तहत राहत दी जायेगी। वही देर रात्रि को हुई भारी बारिश के कारण गांव में लोग भयभीत हुए है।

मोटर मार्ग के कारण दौलाबलिया गांव को पहुंचा नुकसान

बेरीनाग (सं)। भुवनेश्वर रावलखेत मोटर मार्ग शुरू से विवादों के घेरे में रहा है। पीएमजीएसवाई के द्वारा सड़क निर्माण के दौरान नालियों का निर्माण नही करने और घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग करने की शिकायत उस दौरान ग्रामीणों ने डीएम से भी की थी। जिस पर डीएम ने जांच तक बैठाई थी। ग्राम प्रधान रजनी देवी ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान नालियो और कमलटों का निर्माण नही किये जाने से बारिश का सारा पानी खेतों में जा रहा है जिससे खेत बहने के साथ मकानों को भी खतरा पैदा हो गया है।पीएमजीएसवाई लापरवाही के कारण ग्रामीणों को खतरा पैदा हो गया है। यदि शीघ्र इसमें नालियों का निर्माण नही किया जाता है कभी गांव में बड़ा हादसा हो सकता है।

अंकित नेगी चिकित्सा सेवा समिति के प्रदेश संयोजक नियुक्त

नगर संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस सेवा दल के प्रदेश प्रवक्ता अशोक मल्होत्रा ने बताया कि अंकित नेगी को यंग ब्रिगेड का चिकित्सा सेवा समिति का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है। अखंड प्रताप सिंह को प्रदेश सह सचिव का कार्यभार दिया गया।

इस अवसर पर सेवादल प्रदेश अध्यक्ष राजेश रस्तोगी व प्रदेश महासचिव नीरज त्यागी ने इनको बधाई दी। इस अवसर पर मुकेश नेगी, राकेश कनवासी, सावित्री थापा, आशु बिष्ट, बलबीर चौहान, दर्शन रावत तथा मंजू चौहान मौजूद रहे।

रोजाना 10 से 12 बजे तक जनसमस्याएं... पृष्ठ 1 का शेष

में प्रचलित व्यवस्था, जो कि कोविड के कारण स्थगित हो गयी थी, को पुनः प्रारम्भ किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि तहसील दिवस के दौरान, उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य रेखीय विभागों के तहसील स्तरीय सक्षम अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। तहसील दिवस के अवसर पर कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने निर्देशों को तत्काल अनुपालन सुनिश्चित किए जाने के साथ ही मण्डलायुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा भेजी जाने वाली मासिक आख्या के साथ ही निर्देशित बिन्दुओं पर कार्यवाही एवं परिणाम भेजे जाने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निराकरण में यदि समय लगना सम्भावित हो तो इस सम्बन्ध में सम्बन्धित विभाग अथवा प्राधिकारी को औचित्यपूर्ण न्यूनतम तिथि निर्दिष्ट करते हुए ऐसे विषय को निर्दिष्ट तिथि के उपरान्त पड़ने वाले तहसील दिवस में पुनर्विचार एवं समीक्षा हेतु प्रस्तुत किया जाए।

मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को भी रेंडम आधार पर तहसील दिवसों पर प्रतिभाग करते हुए कार्यकलापों को पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण किया जाए। स्थानीय स्तर पर नीतिगत बिन्दुओं में मार्गदर्शन अपेक्षित होने पर सम्बन्धित अधिकारी को शीघ्र अतिशीघ्र प्रेषित किया जाए।

आंदोलनकारियों की बैठक 31 को

नगर संवाददाता

देहरादून। चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केंद्रीय संयोजक मनीष कुमार ने कहा कि 31 जुलाई को राज्य आंदोलनकारियों की शहीद स्मारक पर बैठक आयोजित होगी। जिसमें सभी राज्य के प्रमुख आंदोलनकारी भाग लेंगे।

बैठक में चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केंद्रीय मुख्य संरक्षक व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप, नरेंद्र सोठी आल, विशंभर बौठियाल, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सावित्री नेगी प्रतिभाग करेंगे।

कहा कि राज्य आंदोलनकारी 8 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की रूपरेखा भी इस बैठक में तय करेंगे।

कोविड में लोगों की मदद करने वाले पत्रकार हुए सम्मानित

संवाददाता

बेरीनाग। कोविड काल में फ्रंट लाइन यौद्धा बनकर संक्रमित लोगों के परिवारों की दिन रात सेवा कर मानवता के साथ सराहनीय कार्य करने वाले थल क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता और पत्रकार अर्जुन सिंह रावत को कोविड काल में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला पिथौरागढ़ के पुलिस अधीक्षक सुखवीर सिंह ने अपने कैंप कार्यालय में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मानित किए जाने पर थल के दिनेश चन्द्र पाठक,कृष्ण गोपाल पंत,गंगा सिंह मेहता,प्रवीण सिंह जंगपांगी, भूपेंद्र पांगती,भूपेंद्र सिंह जंगपांगी, तेन सिंह चुफाल, दान सिंह बिष्ट, चिंतामणि जोशी,दीपक सिंह भैसोड़ा,सीमा बिष्ट,राजेश पंचपाल,नीरज जोशी,नानू वर्मा ने अर्जुन के मानवीय कार्य की सराहना के साथ खुशी जताई हैं।

प्रताप नेगी बने बेरीनाग के नये थानाध्यक्ष

संवाददाता

बेरीनाग। बेरीनाग थाने के नव नियुक्त थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नेगी ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद थानाध्यक्ष प्रताप सिंह नेगी पुलिस कर्मीयों के साथ बैठक की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

थानाध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में कोविड १६ के लिए लोगों को जागरूक करना बहुत जरूरी है। लोगों से घर से बाहर आने पर मास्क का प्रयोग करने और सामाजिक दूरी का पालन करने और समय समय पर जारी दिशा निर्देशों का पालन करने की अपील की और लोगों से ट्रैफिक के नियमों का पालन करने और तेज गति से बाइक चलाने और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और अवैध खनन और तस्करी का धंधा करने वालों पर नकेल कसने की बात कही और क्षेत्र में अवैध नशा का कारोबारा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाने और सभी मकान मालिकों से बाहर से किरायेदारों का सत्यापन करने और क्षेत्र में कोई संदिग्ध गतिविधि होने पर पुलिस को सूचना देने की अपील की।

साबिर पाक दरगाह खुलते ही उमड़ी जायरीनों की भीड़

संवाददाता

पिरान कलियर। कोविड कर्फ्यू के चलते करीब 90 दिन के बाद खुली साबिर पाक दरगाह में जायरीनों की भारी भीड़ उमड़ आई। इस तरह से वहां कोविड-19 के नियमों की धज्जियां उड़ती नजर आई। इस दौरान निरीक्षण पर पहुंची ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ने कर्मचारियों को फटकार लगाई और नियमों का सख्ती से पालन करवाने के निर्देश दिये।

कलियर शरीफ साबिर पाक की दरगाह एवं अन्य दरगाहें कोरोना की दूसरे लहर के चलते 1 मई को बंद कर दी गई थी। अनलॉक की प्रक्रिया शुरू होने के बाद से ही दरगाह को खोले जाने की मांग जोर पकड़े हुई थी। बीते रोज जिलाधिकारी हरिद्वार एवं वक्फ बोर्ड सीईओ ने दरगाह क्षेत्र का निरीक्षण किया इसके साथ ही शाम को दरगाहों को खोले जाने की अनुमति भी गाइडलाइंस का पालन करने के साथ मिल गयी।

गुरुवार सुबह दरगाह खोली गई तो जायरीनों की भारी भीड़ मौके पर उमड़ गई। वही दरगाह प्रबंधन की ओर से सैनिटाइजर का इंतजाम नहीं किया गया था। इसके साथ ही बिना मास्क के भी लोग दरगाह में घूमते नजर आए। निरीक्षण के लिए पहुंची ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अपूर्वा पांडेय ने नियमों की धज्जियां उड़ती देख कर्मचारियों की फटकार लगाई। इस दौरान उन्होंने दरगाह प्रबंधन को सख्त निर्देश दिए कि कोरोना गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करवाया जाए बिना सैनिटाइजर और मास्क के किसी को भी दरगाह परिसर में प्रवेश ना दिया जाए।

ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अपूर्वा पांडेय ने बताया के कई दिन बाद आज जब दरगाह खुली तो जायरीनों की भारी भीड़ बढ़ गई थी। शुरू में थोड़ा नियंत्रण करने में परेशानी आई लेकिन अब कर्मचारियों को सख्त निर्देश दे दिए गए हैं कि नियमों का सख्ती से पालन करवाया जाए। इस दौरान कार्यवाहक दरगाह प्रबंधक शफीक अहमद, सुपरवाइजर इंतखाब आलम, राव सिकन्दर, राव शारिक नियाजी, अफजाल सहित आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

धारदार हथियार सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। वारदात की फिराक में घूम रहे दो बदमाशों को पुलिस ने कल देर रात गश्त के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दो खुखरियां भी बरामद की है। जिन्हे सम्बन्धित धाराओं के तहत न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार कल देर रात कोतवाली डोईवाला अर्तगंत हर्रावाला चौकी पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस पुरानी सड़क पर पहुंची तो उसे वहां दो संदिग्ध घूमते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से दो खुखरियां बरामद की। चौकी लाकर की गयी पूछताछ में उन्होने अपना नाम शहजाद पुत्र सदीक निवासी सर्कस जसाई नगर थाना बहेड़ी जिला बरेली उत्तर प्रदेश व आजाद अहमद पुत्र अब्दुल हमीद निवासी तेलीवाला पाडली थाना गंग नहर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हे सम्बन्धित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

20 ग्राम स्मैक सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी में लिप्त एक युवक को पुलिस ने कल देर शाम 20 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना प्रेमनगर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने सभी चैकनाकों पर चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को धूलकोट झाझरा के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 20 ग्राम स्मैक बरामद की। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम सज्जाद पुत्र यूसुफ निवासी जीवनगढ, विकासनगर बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

स्तन कैंसर में असरदार होती है ब्रोकली

ब्रोकली में पाया जाने वाला यौगिक स्तन कैंसर की कोशिकाओं की वृद्धि मंद करने में मददगार हो सकता है। खासकर प्रारंभिक चरणों में यह अधिक असरदार होता है। एक नए शोध से यह बात सामने आई है। यह शोध पत्रिका 'कैंसर प्रीवेंशन रिसर्च' में प्रकाशित हुआ है।

अमेरिका की ऑरेगन स्टेट युनिवर्सिटी (ओएसयू) और ऑरेगन हेल्थ एंड साइंस यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने एक अध्ययन में सुझाव दिया कि ब्रोकली (एक प्रकार की गोभी) और क्रूसीफेरस सब्जियां (उसके परिवार से संबंधित वनस्पतियां) से प्राप्त होने वाले सल्फोराफेन (यौगिक) में लंबे समय तक कैंसर की रोकथाम वाले सबूत मिले हैं। इसलिए सल्फोराफेन कैंसर वृद्धि को कम करने में मददगार हो सकता है।

यह पहला औषधीय अध्ययन का निष्कर्ष है कि जिसमें स्तन कैंसर का इलाज करा रही महिला के स्तन ऊतकों पर सल्फोराफेन के प्रभाव को देखा गया।

इस शोध में ऐसी 54 महिलाओं को शामिल किया गया था, जिनकी मैमोग्राफी जांच में कुछ असाधारण तत्व मिले थे। इन्हें प्लेसबो परीक्षण के अंतर्गत सल्फोराफेन का सेवन करने के लिए दिया गया। ओएसयू कॉलेज ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड ह्यूमन साइंसेज की प्रोफेसर एमिली हो ने बताया, ''अध्ययन के बाद महिलाओं की जांच में हम यह देखकर चकित हो गए कि इस यौगिक के द्वारा उन असाधारण चिन्हों में कमी आई थी।

इसका तात्पर्य है कि यह यौगिक कैंसर वृद्धि को मंद कर सकते हैं।'' पहले हुए अध्ययनों में भी बताया गया है कि क्रूसीफेरस सब्जियां जैसे ब्रोकली, गोभी या फूलगोभी का उच्च सेवन स्तन कैंसर के खतरे को कम करता है।

मानसून अभिनय को आसान और अधिक यथार्थवादी बनाता है : रवि भाटिया

अभिनेता रवि भाटिया, जो वर्तमान में श्रृंखला, शुक्ला द टाइगर में नायक के रूप में देखे जा रहे हैं, अपनी अगली श्रृंखला, मड़गांव द क्लोज्ड फइल की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्हें लगता है कि कलाकारों के लिए मानसून बहुत अच्छा समय होता है। रवि ने बताया, मानसून आपके अंदर के कलाकार को जगाता है और आपको बहुत ऊर्जा के साथ प्रदर्शन करने देता है। मैं इस समय के दौरान शूटिंग का आनंद लेता हूं। चूंकि मानसून अभिनय को आसान और अधिक यथार्थवादी बनाता है। यहां तक कि अगर आप अतिरिक्त काम करते हैं, तो आप बिल्कुल भी थकान महसूस नहीं करते हैं। बारिश का मौसम रवि को अच्छे भोजन की लालसा देता है। मानसून मेरे पसंदीदा मौसमों में से एक है, यह वह समय है जब आपका दिल और दिमाग अच्छा महसूस करना शुरू कर देता है।

घर पर बनाये चिली सॉस

जिन लोगों को सॉस खाने का शौक होता है उन्हें खासतौर पर ग्रीन चिली सॉस काफी पसंद होता है। ग्रीन चिली सॉस को आप समोसे, कचौड़ी, पूडी या पराठे आदि के साथ खा सकते हैं, यह काफी टेस्टी लगती है। अगर आप इसे घर पर बनाएंगे तो इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाएगा। घर पर बनाए गए ग्रीन चिली सॉस में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता और स्वास्थ के लिये भी अच्छा माना जाता है। अब आइये जानते हैं कि ग्रीन चिली सॉस कैसे बनाया जाता है।

कितने- 1 किलो पकाने में समय- 1 घंटा 3० मिनट, सामग्री- 1 किलो हरी मिर्च- धुली और कटी हुई 2 कप सफेद सिरका (45० द्रव्य) 25० ग्राम नमक 2 चम्मच तेल 1 चम्मच सोडियम बेंजोएट- 2 चम्मच उबले पानी में भिगोया हुआ। विधि - एक बड़े से कटोरे में नमक और सिरका मिलाएं। फिर उसमें हरी मिर्च डाल कर लगभग 1 घंटे तक डुबो कर रखें, जिससे वह अच्छे प्रकार से मैरीनेट हो जाए। अब इसी मिश्रण को तेज आंच पर उबालें और हल्का सा गाढा होने दें। अब इसे आंच से उतारें और इसमें सोडियम बेंजोएट मिक्स करें। फिर इसे साफ एयर टाइट जार में भर कर रखें और प्रयोग करें।

शब्द सामर्थ्य -65

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		12ए	■	13		14	■	15
	■	16			■	17		
18	19		■	20	21		■	
■		■	■	■		■	■	■
22			■	23			■	24

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अहमः अग्रवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने बुधवार को देहरादून मोहनी रोड स्थित वीआईपी न्यूज़ चैनल के उत्तराखंड ब्यूरो ऑफिस का विधिवत पूजन कर नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। वीआईपी न्यूज़ क्षेत्रीय समाचार चैनल है जो उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्रों की जन समस्याओं को प्रमुखता से उठाता रहता है इसके साथ ही वीआईपी न्यूज़ पर प्रतिदिन राजनीतिक सामाजिक विषयों पर परिचर्चा की जाती है स्थानीय संपादक

संजय श्रीवास्तव ने बताया कि वीआईपी न्यूज़ के माध्यम से जनता की आवाज को प्रमुखता के साथ उठाया जाता है। वीआईपी न्यूज एकमात्र ऐसा समाचार चैनल है जहां पर खबरों के साथ कोई समझौता नहीं किया जाता है। हमारे यहां अनुभवी पत्रकार हैं जो पिछले २० सालों से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने कहां कि लोकतंत्र में मीडिया की एक अहम भूमिका है मैं आशा करता हूं कि वीआईपी न्यूज़ चौनल आम जनता के मुद्दों को निष्पक्ष ता पूर्वक उठाएगा मैं वीआईपी न्यूज़ चैनल के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। न्यूज़ चैनल के शुभारंभ पर संजय श्रीवास्तव एवं विक्रम श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं दी। शुभारंभ के अवसर पर नरेंद्र सिंह सर्वेश माथुर संजीव वर्मा आलोक सिन्हा सुमित गर्ग जितेंद्र श्रीवास्तव शैलेंद्र सिंह नेगी मैंक खान सचिन कुमार एवं राजकुमार अग्रवाल मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ऋषिकेश ने वृक्षारोपण कर मनाया अपना 51वा स्थापना दिवस

कार्यालय संवाददाता

ऋषिकेश। आज रोटरी क्लब ऋषिकेश द्वारा अपना ५१ वा स्थापना दिवस श्यामपुर स्थित साईं कृपा मंदिर में ५१ पौधों का रोपण किया गया तत्पश्चात साईं भजन का कार्यक्रम एवं भंडारा का आयोजन किया गया इस अवसर पर रोटरी क्लब के असिस्टेंट गवर्नर पंकज पांडे द्वारा वृक्षारोपण कर शुरुआत की गई रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ रवि कौशल ने बताया कि पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत अगले कुछ दिनों में रोटरी क्लब द्वारा बांस के बीजों का रोपण भी किया जाएगा जिसमें एक बीज में ३५ पौधे निकलते हैं जिसके लिए वन विभाग के अधिकारियों से बात की गई है इस अवसर पर रोटरी क्लब के सचिव गोविंद अग्रवाल कोषाध्यक्ष सुशील गोयल कार्यक्रम संयोजक नवनीत नागलिया राकेश अग्रवाल राजीव गर्ग मनोज वर्मा टीकाराम पोरवाल गोपाल प्रसाद सिंह यामिनी कौशल रेखा गर्ग बीना सिंह रेखा नागलिया आदि मौजूद थे।

मुक्केबाजी में सतीश कुमार ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

नई दिल्ली। ओलंपिक में भाग ले रहे भारत के पहले सुपर हैवीवेट (प्लस ९१ किलो) मुक्केबाज सतीश कुमार ने अपने पहले ही खेलों में जमैका के रिकार्डो ब्राउन को पहले मुकाबले में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दोनों मुक्केबाजों का यह पहला ओलंपिक है। सतीश ने बंटे हुए फैसले के बावजूद ४.१ से जीत दर्ज की। २ बार एशियाई चौम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता सतीश को ब्राउन के खराब फुटवर्क का फायदा मिला। उन्हें हालांकि मुकाबले में माथे पर खरोंच भी आई। भारतीय मुक्केबाजी के हाई परफॉर्मेंस निदेशक सैंटियागो नीवा ने कहा, उसे मुकाबले के दौरान तीन बार सिर पर प्रहार के कारण कट लगा है। सतीश ने काफी संभलकर उसका सामना किया वरना ब्राउन के कद काठी को देखते हुए गंभीर चोट लग सकती थी। अब सतीश का सामना उजबेकिस्तान के बखोदिर जालोलोव से होगा जो मौजूदा विश्व और एशियाई चौम्पियन हैं। जालोलोव ने अजरबैजान के मोहम्मद अब्दुल्लायेव को ५.० से हराया। नीवा ने कहा, वह अपराजेय नहीं है। सतीश ने उसे कभी नहीं हराया लेकिन इंडिया ओपन में आखिरी बार दोनों का सामना हुआ था और वह बंटा हुआ फैसला था। सतीश ने उसे कड़ी चुनौती दी थी।

कैटरीना के साथ टाइगर 3 के सेट पर लौटने को तैयार सलमान

टाइगर 3 सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है और हो भी क्यों ना इस फ्रेंचाइजी की पिछली दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका जो किया है। पिछले कुछ समय से कोरोना महामारी के कारण फिल्म की शूटिंग रुकी हुई थी। अब सलमान ने कैटरीना कैफके साथ फिल्म के सेट पर लौटने के लिए कमर कस ली है। वह फिल्म की शूटिंग की तैयारियों में जुट गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक टाइगर 3 की टीम पहले मुंबई में एक विदेशी सेटअप बनाने की तैयारी में थीए लेकिन अब उन्होंने यह योजना टाल दी है। इसके बजाय निर्माताओं ने सलमान और कैटरीना के साथ विदेश जाकर शूटिंग करने का फैसला किया है। कोरोना महामारी की स्थिति में हो रहे सुधार को देखते हुए निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक मनीष शर्मा ने फिल्म को असल जगह पर शूट करने की योजना बनाई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आदित्य चोपड़ा ने 23 जुलाई से यूरोप और मिडिल ईस्ट में फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए हरी झंडी दे दी है। हालांकिए पहले सेट पर सिर्फ सलमान और कैटरीना ही शूटिंग करने जा रहे हैंए क्योंकि मनीष उनके साथ कुछ नाटकीय दृश्य शूट करना चाहते हैं। फिल्म में विलेन बने इमरान हाशमी भी जल्द ही टीम का हिस्सा बनेंगे। निर्माता अपने इस इंटरनेशनल शूट को जल्द से जल्द पूरा करना चाहते हैं।

इमरान हाशमी फिल्म में सलमान से दो.दो हाथ करने के लिए पिछले कुछ महीनों से जिम में खूब पसीना बहा रहे हैं। उनका फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन देखने लायक है। इसका सबूत उनकी ताजा तस्वीर हैए जो सोशल मीडिया पर वायरल है। इमरान किस तरह मेहनत कर रहे हैंए इसकी झलक उन्होंने अपनी इस शर्टलेस तस्वीर में दिखाई है। जिम में ली गई उनकी इस तस्वीर को देख प्रशंसक बेहद प्रभावित हैं।

टाइगर फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म एक था टाइगर ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के झंडे गाड़ दिए थे। इस फिल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया था। इसके बाद 2०17 में फिल्म टाइगर जिंदा है रिलीज हुई थी। यह भी सुपरहिट हुई थी। टाइगर 3 इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है। पहली दो फिल्मों की तर्ज पर उम्मीद है कि यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई करेगी। यह बॉलीवुड की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बनने जा रही है।

सलमान फिल्म कभी ईद कभी दिवाली में पहली बार अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। वह शाहरुख खान अभिनीत फिल्म पठान का भी हिस्सा हैं। सलमान रेस फ्रेंचाइजी के चौथे पार्ट रेस 4 में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकते हैं। दूसरी तरफकैटरीनाए अक्षय कुमार के साथ फिल्म सूर्यवंशी में नजर आएंगी। इसके अलावा वह फिल्म फोन भूत में काम कर रही हैं।

अमिताभ और इमरान अभिनीत फिल्म चेहरे अगस्त में होगी रिलीज

दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी अपनी फिल्म चेहरे को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। यह फिल्म इस साल 3० अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। कोरोना वायरस के कारण फिल्म की रिलीज डेट को टाल दिया गया था। काफी समय से फिल्म की रिलीज को लेकर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। अब फिल्म के प्रोड्यूसर आनंद पंडित ने इसकी रिलीज को लेकर अहम जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म अगस्त में रिलीज हो सकती है।

आनंद ने पुष्टि है कि फिल्म चेहरे अगस्त के महीने में रिलीज होगी। आनंद ने कहाए मुझे यकीन है कि हम हद से हद तक अगस्त तक फिल्म रिलीज करने की स्थिति में होंगे। हमारे पास अभी तक प्रोमोशन के प्लान भी नहीं हैं। अन्य शहरों के टूर का तो सवाल ही नहीं बनता। सोशल मीडिया पर प्रोमोशनल एक्टिविटी करना नया.नया चलन में आया है। इस फिल्म का निर्देशन रूमी जाफरी ने किया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वैक्सीनेशन के बाद दर्शक थिएटर्स में आने में भरोसा दिखाएंगे। फिल्म की टीम को अभी फिल्म की रिलीज डेट को निर्धारित करना होगा। कहा जा रहा है कि सिनेमाघरों के फिर से खुलने और देशभर की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए नई रिलीज डेट का ऐलान किया जाएगा। आनंद ने कहा कि जब अच्छी संख्या में थिएटर्स चलने लगेंगे तो और भी फिल्में रिलीज की कतार में शामिल होंगी।

यह एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है जिसमें कई दिग्गज कलाकार अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगे। इस फिल्म में पहली बार अमिताभ और इमरान स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। अमिताभ और इमरान के अलावा इसमें रिया चक्रवर्तीए सिद्धांत कपूरए क्रिस्टल डिसूजाए रघुवीर यादव और अन्नू कपूर जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म में अमिताभ एक रिटायर्ड वकील की भूमिका में दिखेंगेए जबकि इमरान बिजनेसमैन का किरदार निभाएंगे। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री क्रिस्टल इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।

आनंद पंडित मोशन पिक्चर्स और सरस्वती एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा फिल्म का निर्माण किया गया है। फिल्म की कहानी एक दोस्तों के ग्रुप की होगी। इनमें से कुछ रिटायर्ड वकील हैं। ये सभी शिमला के एक बंगले पर मिलते हैं और वहां एक साइकोलॉजिकल गेम खेलते हैं। फिल्म की शूटिंग लॉकडाउन से पहले पूरी हो गई थी और इसे पिछले साल अप्रैल में रिलीज किया जाना था। कोरोना के कारण उस वक्त भी इसकी रिलीज डेट को टाला गया था।

अक्षय कुमार के साथ कॉमिडी फिल्म बनाएंगे प्रियदर्शन

मशहूर फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने खुलासा किया है कि वह अगले साल 2०22 में अक्षय कुमार के साथ एक कॉमिडी फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। इससे पहले अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 2००० के दशक में हेरा फेरी सीरीजए गरम मसाला और भूल भुलैया जैसी कॉमिडी फिल्मों पर काम किया है। प्रियदर्शन ने कहा कि वह इसी साल अक्षय कुमार के साथ फिल्म शुरू करने वाले थेए लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण यह प्रॉजेक्ट आगे बढ़ गया। उन्होंने कहाए हमें इस साल इसकी शूटिंग शुरू करनी थीए लेकिन इसमें देरी हो गई। यह पूरी तरह से एक कॉमिडी फिल्म है और अब हम इसकी शूटिंग अगले साल की शुरुआत में शुरू करने की सोच रहे हैं।

प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार की फिल्म रक्षा बंधन्य के सेट से कुमार के साथ एक तस्वीर शेयर की। प्रियदर्शन ने कहा कि वह अक्षय कुमार से उनकी आगामी प्रॉजेक्ट पर चर्चा करने के लिए मिले। प्रियदर्शन फिलहाल अपनी अगली फिल्म हंगामा 2 की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं जो 23 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है। यह फिल्म उनकी साल 2००3 की इसी नाम की हिट कॉमिडी फिल्म की अगली कड़ी है। फिल्म में परेश रावल, शिल्पा शेट्टी, मीजान जाफरी और प्रणिता सुभाष नजर आएंगे।

भस्मासुर साबित हो सकता है तालिबान

विष्णुगुप्त

अफ्गानिस्तान के 85 प्रतिशत भाग पर तालिबान का कब्जा हो गया हैए ऐसा दावा खुद तालिबान कर रहा हैए जबकि अफ्गानिस्तान की सरकार ने तालिबान के इस दावे का खंडन किया है। उसने कहा है कि हमारे सैनिक तालिबान को नियंत्रित करने और नागरिकों को सुरक्षा देने में सक्षम हैं। अफ्गानिस्तान के नागरिक काफी डरे हुए हैंए उन्हें अपने भविष्य की चिंता सता रही हैए बच्चों की शिक्षा एवं रोजगार की चिंता उन्हें सता रही है। नागरिकों की बड़ी.बड़ी दुकानें हिंसा के बल पर बंद कराने के खतरे उत्पन्न हो गए हैं। इसलिए नागरिकों के बीच में तालिबान की वापसी के खिलाफ चेतना भी आई है। नागरिक संगठन अफ्गानिस्तानी सैनिकों की मदद के लिए आगे आए हैंए रसद और अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैंए खासकर महिलाएं तालिबान के खिलाफ हथियार उठा रही हैं।

तालिबान पहले से अधिक ताकतवर हुए हैं। तालिबान अफ्गानिस्तानी सैनिकों पर भारी पड़ रहे हैं। अफ्गानिस्तान के सैनिक तालिबान के छापामार युद्ध में पराजित हो रहे हैं और अपनी जान गंवा रहे हैं पर आमने.सामने की लड़ाई में अभी भी तालिबान कमजोर हैं और अफ्गानिस्तान के सैनिक तालिबान पर भारी पड़ रहे हैं। जब सब कुछ निरूशुल्क और बिना परिश्रम मिलता रहता है तो फिर अपने पैरों पर खड़ा होने की आदत छूट जाती है। अफ्गानिस्तान की विभिन्न सरकारें अगर चाहती तो फिर सैनिक तंत्र का मजबूत ढांचा बन सकता था जो तालिबान ही नहीं बल्कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवादियों को काबू में रखने की वीरता दिखा सकता था। अगर भारत ने अपने संसाधनों के बल पर अफ्गानिस्तान की पुलिस और सैनिक तंत्र को प्रशिक्षित एवं विकसित नहीं किया होता तो फिर अफ्गानिस्तान की पुलिस और सैनिक तंत्र किसी काम के भी नहीं होते।

आखिर तालिबान सत्ता लूटने के नजदीक क्यों पहुंच गएघ् दरअसल इसके पीछे तालिबान के साथ शांति वार्ता का सिद्धांत और अमेरिका की वापसी है। तालिबान के साथ शांति वार्ता कोई आज से नहीं बल्कि 5 साल से चल रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने शांति वार्ता को गति दी थी। ट्रंप ने अफ्गानिस्तान से निकलने की प्रतिबद्धता जताई थी। अफ्गानिस्तान सरकारए अमेरिकाए पाकिस्तान और तालिबान के बीच शांति वार्ताएं चलीं। कतर में तालिबान का राजनीतिक कार्यालय खुला। अरब के कट्टरपंथियों और यूरोप के मुस्लिम संगठनों से तालिबान के ऊपर धन की वर्षा होने लगी। धन की बहुलता से हथियारों की कमी दूर हुईए नये हथियार मिले। शांति वार्ता के कारण अमेरिकी और अफ्गानिस्तानी सैनिकों को शिथिल कर दिया गयाए उनके हाथ बांध दिए गए। इस दौरान तालिबान ने अपने आप को मजबूत किया और हथियारों से लैस हुए।

अंतर्राष्ट्रीय जगत में यह खोजा जा रहा है कि अमेरिका क्या सफल रहाए अमेरिका की वापसी के बाद तालिबान कितने दिनों के अंदर सत्ता पर काबिज होंगेघ् इन सभी प्रश्नों पर कोई एक राय नहीं हो सकती। स्वतंत्र आकलन यह है कि अमेरिका अफ्गानिस्तान में अपने लक्षित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहा है। उसने कोई एक या दो साल नहीं बल्कि पूरे २० सालों तक अफ्गानिस्तान में तालिबान को नियंत्रित किया। अमेरिका ने न केवल तालिबान बल्कि पाकिस्तान को भी नियंत्रित किया। उसने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों के साथ ही पाकिस्तान की आतंकवादी नीति की भी गर्दन दबा कर रखी।

अल कायदा के हमले के बाद अमेरिका के दो प्रमुख लक्ष्य थे। एकए अल कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को मौत के घाट उतारनाए हमले के लिए सहायता करने वाली तालिबान सरकार को अस्तित्व विहीन करना और तालिबान के सरगना मुल्लाह उमर को मौत का घाट उतारना। तालिबान का सरगना मुल्ला उमर खुद बीमारी का शिकार होकर मारा गया। ओसामा बिन लादेन का हश्र भी जगजाहिर है। तालिबान बिना लड़े और बिना प्रतिशोध के ही काबुल छोड़कर भाग गए।

अगर तालिबान अफ्गानिस्तान पर कब्जा करने में भी सफल हो जाता है तो भी अमेरिका को बहुत ज्यादा परेशानी नहीं होगी। अमेरिका आसानी से तालिबान को नियंत्रित कर सकता है। अमेरिका अपने मिसाइल हमलों से तालिबान सरकार में बैठे लोगों को मौत का घाट उतार सकता है। इसके अलावा अमेरिका सुरक्षा की कमजोरियां दुरुस्त हो चुकी हैं। अब आतंकवादी हिंसा करने के पूर्व ही पकड़ लिए जाते हैं। यही कारण है कि 9ध्11 की बड़ी घटना के बाद और कोई बड़ी आतंकवादी घटना नहीं हुई।

चीनए पाकिस्तान और ईरान अमेरिकी सैनिकों की वापसी तथा अमेरिका की विफलता मानकर खुशियां मना रहे हैं। इनकी खुशियां मातम में तबदील हो सकती हैं। इसलिए जब फिर से तालिबान की सरकार स्थापित होगी तो फिर अफ्गानिस्तान में स्थापित पहली तालिबानी सरकार की ही पुनरावृत्ति होगी। तालिबान के आतंकवादी चीन में बैठकर उइगर मुस्लिम आबादी के साथ लड़ सकते हैं। चीन पाकिस्तान में आर्थिक गलियारा बना रहा हैए जिसके खिलाफ जन विद्रोह जारी है। तालिबानी आतंकवादी घुसपैठ कर पाकिस्तान को और भी हिंसक खतरनाक देश के रूप में तबदील कर सकते हैं। तालिबान एक सुन्नी इस्लामिक आतंकवादी संगठन है। ईरान में शिया मुसलमानों के वर्चस्व के खिलाफसुन्नी मुसलमानों का आतंकवाद जारी है। तालिबान के आतंकवादी ईरान में घुसकर शिया.सुन्नी संघर्ष को और भी हिंसकए खतरनाक और अमानवीय बना सकते हैं।

तालिबान के पास 75 हजार से अधिक तालिबानी आतंकवादी हैं। अगर तालिबान अफ्गानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लेता है तो फिर इन 75००० आतंकवादियों को संयमित रखने और गतिशील रखने में वह कैसे सफल हो सकता हैघ् इसलिए माना जा सकता है कि अफ्गानिस्तान फिर से इस्लाम की अति क्रूरता और हिंसा में तबदील रहेगा। चीनए पाकिस्तान और ईरान को भी हिंसा और बर्बरता का सामना करना पड़ेगा। तालिबान उनके लिए भस्मासुर जैसा साबित होगा।

मनोज बाजपेयी-नीना गुप्ता-साक्षी तंवर की फिल्म डायल 100 जल्दी ही ज़ी5 पर होगी रिलीज

जब से कोरोना ने पूरी दुनिया को जकड़ा है, तब से ओटीटी प्लेटफॉर्म ऑडियंस को नए और अच्छे कंटेंट के साथ एंटरटेन कर रहे है। आये दिन ओटीटी प्लेटफर्म पर नई फिल्मेंए नए वेब शो रिलीज़ हो रहे है जो ऑडियंस को एंगेज करके रखते है। ऐसे में ज़ी5 की टीम थोड़े थोड़े समय में बहुत ही अच्छा और नया कंटेंट अपनी ऑडियंस के लिए लेकर आती है। इस बार वह लेकर आ रही एक क्राइम थ्रिलर जिसमे मनोज बाजपेयी ए नीना गुप्ता और साक्षी तंवर नजर आएंगे। फिल्म का नाम है डायल १०० और फिल्म अगस्त में ज़ी5 पर स्ट्रीम करेगी।

ज़ी5 के ऑफिशल सोशल मीडिया पेज पर फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर किया गया एएक ग्रिप्पिंग थ्रिलर देखने के लिए हो जाए तैयार जहाँ एक कॉल और एक रात सबकी ज़िन्दगी बदल देगी। देखिये मनोज बाजपाईए साक्षी तंवर और नीना गुप्ता इस थ्रिल्लिंग एक्सपीरियंस डायल १०० में। फिल्म रिलीज होगी ज़ी 5 पर इस अगस्त।

डायल १०० एक थ्रिलर ड्रामा है जिसे रेंसिल डिसिल्वा ने डायरेक्ट किया है और इसको सोनी पिक्चर्स फिल्म्स इंडियाएसिद्धार्थ पी मल्होत्रा और सपना मल्होत्रा ने प्रोड्यूस किया है। यह एक फास्ट पेस्ड सस्पेंस थ्रिलर है जो एक कॉल और एक रात पर आधारित हैहमें पूरा यकीन है की मनोज बाजपेयी ए नीना गुप्ता और साक्षी तंवर जैसे मंझे हुए कलाकार ऑडियंस के लिए कुछ ख़ास लेकर ही आ रहे होंगे। फिल्म का ट्रेलर जल्दी ही रिलीज होगा। फिल्म ज़ी 5 पर होगी स्ट्रीम अगले महीने अगस्त में।

आरबीआई की अच्छी पहल

भारतीय रिजर्व बैंक सेंट्रल बैंक डिजिटल करंसी (सीबीडीसी) पर काम कर रहा है। यह रुपये का इलेक्ट्रॉनिक रूप होगा। यह उसी तरह से काम करेगा, जैसे पेटीएम, ऐमजॉन पे, गूगल पे जैसे ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम काम करते हैं। यानी आप अपने फोन से ई-रुपये में भुगतान, पैसा ट्रांसफर कर सकेंगे। आरबीआई ने कहा, हर आइडिया को सही वक्त का इंतजार करना पड़ता है। शायद डिजिटल करंसी का वक्त आ गया है। उसका कहना है कि इससे कैश पर निर्भरता घटेगी। नोट छापने का खर्च बचेगा। नकद लेनदेन के सेटलमेंट में आसानी होगी और जहां विदेशी मुद्रा का लेनदेन होगा, वहां टाइम जोन यानी अलग-अलग वक्त होने से सेटलमेंट में देरी नहीं होगी। लेकिन रिजर्व बैंक को अभी इसके कई पहलुओं पर काम करना है। उसने यह भी तय नहीं किया है कि इसे सिर्फहोलसेल बिजनेस ट्रांजेक्शन के लिए लाया जाए या आम लोगों के लिए भी? डिजिटल करंसी के लिए कानून में भी बदलाव करना होगा। इसलिए ई-रुपया आने में वक्त लग सकता है। इसके बावजूद इस दिशा में पहल करने के लिए उसकी तारीफहोनी चाहिए। वैसे, चीन अपनी डिजिटल करंसी ई-युआन के पायलट प्रॉजेक्ट पिछले साल से ही चला रहा है और दुनिया की पहली ऐसी मुद्रा का श्रेय बहामास को मिला है, जिसने अक्टूबर २०२० में डिजिटल करंसी लॉन्च की थी। दुनिया में 86 फीसदी सेंट्रल बैंक इस पर रिसर्च कर रहे हैं और 14 फीसदी ने इसके लिए पायलट प्रॉजेक्ट शुरू किए हैं। दुनिया भर में डिजिटल करंसी को लेकर दिलचस्पी और तेजी फेसबुक के लिब्रा लॉन्च करने के ऐलान के बाद आई थी। सोशल मीडिया कंपनी ने कहा था कि वह लिब्रा नाम की वैश्विक डिजिटल करंसी लाएगी, जिससे खासतौर पर विकासशील देशों में लेनदेन की लागत कम होगी और उन लोगों की जिंदगी आसान होगी, जिनकी बैंकों तक पहुंच नहीं है। अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों के इसका विरोध करने के बाद कंपनी ने योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया। केंद्रीय बैंकों को इससे पहले से बिटकॉइन जैसी वर्चुअल करंसी से चुनौती मिल रही है। वर्चुअल करंसी का इस्तेमाल आज सट्टेबाजी, मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग तक के लिए हो रहा है और सरकारी एजेंसियों के लिए इन्हें ट्रैक करना बहुत मुश्किल है। भारत जैसे देशों में भी इस तरह की करंसी में खासतौर पर छोटे समय के निवेश से पैसा बनाने को लेकर दिलचस्पी बढ़ी है, जबकि सरकार और रिजर्व बैंक इन्हें बढ़ावा नहीं देना चाहते। केंद्र ने वर्चुअल करंसी पर पाबंदी लगाने के लिए एक विधेयक भी तैयार किया है, जिसे वह मॉनसून सत्र में पास कराना चाहती है। ऐसे में डिजिटल करंसी लाकर वर्चुअल पेमेंट के लिए लोगों को एक विकल्प देना अच्छी पहल होगी।

विस्थापन के नैतिक व मानवीय प्रश्न

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली की सीमा से सटे फरीदाबाद में अरावली की गोदी में बसी विशाल बस्ती में जहां कुछ दिनों पहले तक जिंदगी की रवानगी थी वहां आज वीरानी, आशंका व भय का आलम है। खोरीगांव के दस हजार घरों में रहने वाले करीब एक लाख लोग सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सड़क पर आ गये हैं। कोर्ट के आदेश पर्यावरण चुनौती और कानून के हिसाब से भले ही सटीक हैं, लेकिन भरी बरसात में बीस हजार बच्चों के साथ सीधे सड़क पर आ गए लोगों के अनिश्चित भविष्य के सवाल भी जवाब मांगते हैं! आखिर जिस तंत्र की लापरवाही से यह कथित अवैध कब्जे का साम्राज्य खड़ा होता है, वह ऐसी मानवीय त्रासदी में निरापद कैसे रह जाता है।

शायद ही देश?में इतना बड़ा अतिक्रमणरोधी अभियान कभी चला होगा, जिसमें 35 धार्मिक स्थल, पांच स्कूल, दो अस्पताल, बड़ा-सा बाजार सहित समूची बस्ती नेस्तनाबूद होगी, वह भी विस्थापितों के लिए, बगैर किसी वैकल्पिक व्यवस्था के। निस्संदेह, समूची कार्रवाई उसी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हो रही है, जिसके कई ऐसे आदेशों पर पहले राज्य सरकारें कुंडली मार कर बैठी रही हैं। विचारणीय है कि यदि देश से सरकारी जमीन से सभी अवैध कब्जे हटा दिए जाएं तो भारत का स्वरूप कैसा होगा? आंचलिक क्षेत्रों की बात तो दूर की, राजधानी में ही अवैध-कॉलोनियों को नियमित करने, झुग्गी बस्ती बसाने व विस्थापन पर नए स्थान पर जमीन देने, मुआवजा के तमाशे सालों से सरकार करती रही हैं।

खोरीगांव अरावली पहाड़ की तली पर अस्सी के दशक में तब बसना शुरू हुआ, जब यहां खनन शुरू हुआ। पहले खदानों में काम करने वाले मजदूरों की कुछ झुग्गियां बसीं, फिर इसका विस्तार लकड़पुर गांव से दिल्ली की सीमा तक हुआ। फिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अरावली में खनन पाबंद कर दिया गया। फिर बस्ती मेहनत-मजदूरी करने वालों से आबाद होती चली गई। अधिकांश उ.प्र.-बिहार के श्रमिक। पावर आफ अटार्नी पर गरीब-श्रमिक जमीन खरीदते रहे और अपनी सारी कमाई लगा कर अधपके ढांचे खड़े करते रहे। फरीदाबाद-गुरुग्राम सड़क आने के बाद सारा इलाका नगर निगम क्षेत्र में अधिसूचित हो गया। इस एक लाख आबादी की रिहायश भले ही हरियाणा में हो लेकिन दिल्ली से तार खींच कर यहां घर-घर बिजली दी गई। बाकायदा साढ़े तेरह रुपये यूनिट की वसूली ठेकेदार करते थे। पानी के लिए टैंकर का सहारा। हर घर में बड़ी-बड़ी टंकियां थीं, जिसमें एक हजार रुपये प्रति टैंकर की दर से माफिया पानी भरता था। वहीं पीने हेतु बीस रुपये की बीस लीटर वाली बोतल की घर-घर सप्लाई की व्यवस्था यहां थी। यहां हर महीने अकेले बिजली-पानी का कारोबार बीस करोड़ से कम का न था। इतने बड़े व्यापार तंत्र का संचालन बगैर सरकारी मिलीभगत से हो नहीं सकता। यहां हर एक बाशिंदे के पास मतदाता पहचान पत्र हैं और बाकायदा चार मतदाता केंद्र स्थापित किए जाते थे।

असल में खोरी-लकड़पुर की कोई १०० एकड़ जमीन नगर निगम की है। पंजाब भूसंरक्षण अधिनियम-१९०० के तहत यह जमीन वन विकसित करने के लिए अधिसूचित है और यहां कोई भी गैर-वानिकी कार्य वर्जित है। अरावली क्षेत्र से अवैध कब्जे हटाने के लिए दायर एक जनहित याचिका पर फरवरी और अप्रैल, २०२० में सुप्रीम कोर्ट राज्य सरकार को खोरी का अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिये थे लेकिन राज्य सरकार जनाक्रोश और हिंसा के डर की आड़ में अतिक्रमण हटाने से बच रही थी। सात जून, २०२१ को सुप्रीम कोर्ट ने फरीदाबाद के उपायुक्त और पुलिस प्रमुख को अतिक्रमण न हटा पाने की दशा में व्यक्तिगत जिम्मेदार निरूपित करते हुए छह हफ्ते में आदेश के पालन के आदेश दिए। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कह दिया कि जमीन पर कब्जा कर गैरकानूनी काम करने वालों को वह कोई छूट नहीं दे सकती।

इसके बाद खोरी खंडहर हो रहा है। यहां की बिजली काट दी गई। कई लोग खुद ही मकान तोड़ रहे हैं। हरियाणा सरकार ने यहां से उजड़े लोगों को डबुआ में बने ईडब्ल्यूएस फ्लैट देने की घोषणा की है, लेकिन यह सरल नहीं है।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस गोदियाल को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। प्रेमनगर कांग्रेस कमेटी द्वारा नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल से आज मुलाकात कर उनको शाल पहनाकर समानित किया गया साथ ही उन्हे फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनसे 2022 के चुनाव को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रेमनगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहित ग्रोवर द्वारा कहा गया कि उत्तराखंड में 2022 में गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनेगी और पार्टी को मजबूती मिलेगी। उन्होने कहा कि गणेश गोदियाल के अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं में बड़ा खुशी का माहौल है। इस मौके पर पूर्व प्रदेश सचिव राजीव पुंज, आशीष देसाई,राजेश बाली,कैलाश वाल्मीकि,राहुल तलवार,कुलदीप नरूला,बिट्टू ,अजब सिंह,अखिल पंवार,हनी गोगिया, प्रियांशु शर्मा आदि कई लोग मौजूद थे।

प्रेमनगर कांवली मंडल की कार्यसमिति आयोजित

नगर संवाददाता

देहरादून। प्रेमनगर कांवली मंडल, कैंट विधानसभा की कार्यसमिति मंडल अध्यक्ष विजेंद्र थपलियाल की अध्यक्षता में नाथ पैलेस बल्लीवाला वाला चौक में आयोजित की गई।

कार्यसमिति में मुख्यवक्ता सतेंद्र नेगी महानगर महामंत्री सतेंद्र नेगी ने कहा कि यहां सबको एकसाथ लाने वाली भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा ही है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए सबसे ऊपर देश की सेवा है। इस दौरान विधायक हरबंस कपूर ने कहा कि आज देश में जो हो भी कार्य हो रहे हैं वो तभी संभव थे जब उनके लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ जैसी इच्छा शक्ति हो। महामारी के दौरान सड़कों पर सिर्फ भाजपा कार्यकर्ता सेवा कार्य मे लगे थे। मंडल महामंत्री संतोष कोठियाल एवं भूपाल चंद ने सफल मंच संचालन किया।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष सीता राम भट्ट, महापौर सुनील उनियाल गामा, विनय गोयल, अमित कपूर, सुशील शर्मा, संतोष कोठियाल, भूपाल चंद, शुभम नेगी, रंजीत सेमवाल, विजया बड़थ्वाल, कुसुम कंडवाल (महानगर प्रभारी), उदय सिंह पुंडीर, जोगेंद्र पुंडीर, भावना शर्मा, अंकित अग्रवाल, रमेश काला, शुभम नेगी, मीरा कठैत, आशा भाटी, रजनी देवी, अर्चना पुंडीर, विनोद पंवार आदि मौजूद रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

- तेज बारिश का कहर जारी -

अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो की मौत

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग/देहरादून। बारिश के मौसम में दुर्घटनाओं का सिलसिला लगातार बढ़ता ही जा रहा है। आज सुबह अगस्त्यमुनि क्षेत्र में एक कार के नदी में गिर जाने से जहां एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं बीते रोज धारचुला क्षेत्र में गदेरे पर बने अस्थायी पुल से फिसल कर एक युवक नदी में जा गिरा। जिसका शव एसडीआरएफ द्वारा आज सुबह बरामद किया गया है।

बता दें राज्य में इन दिनों मानसूनी बारिश ने अपना कहर बरपा रखा है। तेज बारिश के कारण जहां भूस्खल बढ़ा है तथा राजमार्ग बाधित है वहीं इस बारिश की चपेट में आकर दुर्घटना के शिकार लोग काल के गाल में भी समा रहे है। हालांकि पुलिस प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से भी लगातार पहाड़ी रास्तों में अधिक सावधानी बरतने हेतु आगाह किया जा रहा है। लेकिन फिर भी लोग इन दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे है। ऐसा ही एक मामला आज रुद्रप्रयाग जिले के अगस्त्यमुनि क्षेत्र से सामने आया है। जहां आज सुबह एसडीआरएफ प्रभारी निरीक्षक अनिरुद्ध भंडारी को रुद्रप्रयाग कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचित कराया गया कि एक वाहन नदी में गिर गया है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ टीम मय उपकरण तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। जहां एक कार नदी में गिर गयी थी। कार सवार किशोरी लाल पुत्र भूपति लाल,निवासी गंगानगर अगस्तमुनि के शव को एसडीआरएफ ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि मृतक कार में अकेला था व कार को बैक कर रहा था। इस बीच अचानक कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी और कार सवार किशोरी लाल की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं एसडीआरएफ द्वारा आज सुबह गलाती धारचूला में डूबे युवक का शव बरामद किया है। बताया जा रहा है कि बीते रोज गलाती, धारचूला में एक युवक गदेरे पर बने वैकल्पिक पूल को पार करते समय पैर फिसलने से गदेरे में गिर गया था। जिसकी तलाश सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम द्वारा शुरू कर दी गयी थी लेकिन पानी का बहाव अत्यधिक तेज होने व रात्रि होने के कारण उक्त युवक का पता नही चल पाया। जिस पर उसकी तलाश रोक दी गयी थी।

आज सुबह एक बार फिर एसडीआरएफ टीम द्वारा सर्चिंग ऑपरेशन आरम्भ किया गया, सर्चिंग के दौरान रेस्क्यू टीम द्वारा तेज बहाव के बीच अत्यधिक विषम परिस्थितियों में उक्त युवक का शव बरामद कर सिविल पुलिस के सुपर्द कर दिया गया। जिसका नाम गोपाल सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी धामी गांव, गलाती, धारचूला बताया जा ररहा है, जो अपने निजी कार्य के लिए धारचूला गया था जो शाम अपने घर वापिस आते समय तेज बहाव गदेरे में गिर गया।

महाकाल के दीवाने सामाजिक संस्था को किया गया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। महन्त इन्द्रेश अस्पताल ब्लड बैंक द्वारा आज महाकाल के दीवाने सामाजिक संस्था को सम्मानित किया गया, पुर्व मे भी इस संस्था को सामाजिक सेवा कार्यो के लिये विभिन्न संस्थानों और शासन, प्रशासन द्वारा प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया है।

महंत इंद्रेश ब्लड बैंक द्वारा आज महाकाल के दीवाने सामाजिक संस्था को, कोरोना काल मे सर्वाधिक रक्त दान शिविर लगाने पर प्रशस्तिपत्र दे कर सम्मानित किया। यह सम्मान इंद्रेश हॉस्पिटल ब्लड बैंक के कोऑर्डिनेटर अमित चंद्रा और मोहित चावला द्वारा दिया गया, संस्था द्वारा उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा गया है कि संस्था कोरोना काल में अब तक पांच सफल रक्तदान शिविर का आयोजन कर चुकी है और संस्था द्वारा छटा रक्तदान शिविर 8 अगस्त को होना निश्चित हुआ है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा का दून पहुंचने पर किया स्वागत

नगर संवाददाता

देहरादून। भाजयुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने के बाद दून पहुंचने पर नेहा जोशी का कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान भाजपा महानगर कार्यालय में नेहा जोशी के पिता और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने पुष्पगुच्छ दे देकर उनका स्वागत किया। भाजयुमो की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाये जाने के बाद उत्तराखण्ड में प्रवेश करने के साथ ही जगह-जगह नेहा जोशी का स्वागत कार्यकर्ताओं द्वारा किया जा रहा है। आज दून में महानगर कार्यालय में नेहा जोशी का स्वागत कार्यक्रम रखा गया।

वहीं युवा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के लिए रोड शो का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजयुमो राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी के स्वागत में कार्यकर्ताओं ने पलक पांवड़े तो बिछा दिए लेकिन कोविड गाइड लाइन को भूल गये। मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग को दरकिनार कर कार्यकर्ता पुलिस प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए रैली में शामिल हुए। कुछ कार्यकर्ताओं ने मास्क पहन रखे थे लेकिन कुछ ने मास्क नाक से नीचे सरका रखे थे। अधिकांश लोग ऐसे थे जिन्होंने मास्क ही नहीं पहना था और खुली गाड़ी में भी कई लोग सवार हो कर सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा रहे थे।

इस रैली को देख कर तो यही प्रतीत हो रहा था कि भाजपा के अनुसार अब कोरोना खत्म हो गया है तभी तो रैली में लोग बिना मास्क के शामिल हुए और सोशल डिस्टेंसिंग का भी ख्याल नहीं रखा। ऐसे में सरकार और प्रशासन भी क्या करेगा। आखिर सरकार भी तो भाजपा की है। यदि यही नजारा किसी और राजनैतिक दल की रैली में होता तो अब तक मुकदमे भी दर्ज हो चुके होते और कई बयान भी जारी हो जाए लेकिन जब सरकार अपनी है तो फिर कार्यकर्ताओं को डर किस बात का।

एक नजर

तिहाड़ जेल में बंद अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन की तबीयत बिगड़ी, एम्स में कराया भर्ती

नई दिल्ली। अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन की तबीयत खराब होने की शिकायत के बाद उन्हें दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। अंडरवर्ल्ड डॉन को २७ जुलाई को एम्स लाया गया था और फिलहाल उसका वहां इलाज चल रहा है। राजन की तबीयत खराब होने की खबर एक दिन बाद आई है, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो ने बुधवार को

बॉम्बे हाई कोर्ट से कहा कि छोटा राजन को जमानत नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि वह देश के कानूनों का सम्मान नहीं करता है। विशेष लोक अभियोजक प्रदीप घरात ने न्यायमूर्ति अनुजा प्रभुदेसाई की पीठ को सूचित किया कि अंडरवर्ल्ड डॉन कई मामलों का सामना कर रहा था और उसे कई मामलों में दोषी ठहराया और सजा भी दी गई थी। घराट ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए उच्च न्यायालय से कहा, राजन एक जेड प्लस सुरक्षा खतरा है। विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि राजन पहले भी फरार हो गया था और फर्जी नामों व पासपोर्ट का इस्तेमाल कर कई देशों की यात्रा कर चुका था। आखिरकार नवंबर २०१५ में उसे पकड़ लिया गया और भारत प्रत्यर्पित कर दिया गया था।

देर रात बीच पर क्या कर रही थी लड़कियांः सावंत

पणजी। गोवा में एक समुद्र तट पर दो नाबालिग लड़कियों के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म मामले पर मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने राज्य विधानसभा में एक विवादित टिप्पणी की है। अब मुख्यमंत्री उस टिप्पणी के लिए विपक्ष की आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। सावंत ने कथित तौर पर कहा था कि माता–पिता को यह आत्ममंथन करने की जरूरत है कि उनके बच्चे रात में इतनी देर तक समुद्र तट पर क्यों थे। सावंत ने सदन में ध्यानाकर्षण नोटिस पर एक चर्चा के दौरान बुधवार को कहा, १जब १४ साल के बच्चे पूरी रात समुद्र तट पर रहते हैं तो माता–पिता को आत्ममंथन करने की जरूरत है। हम सिर्फ इसलिए ही सरकार और पुलिस पर जिम्मेदारी नहीं डाल सकते, कि बच्चे नहीं सुनते। गृह विभाग का प्रभार संभालने वाले सावंत ने कहा था कि अपने बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना माता–पिता की जिम्मेदारी है और उन्हें अपने बच्चों खासतौर से नाबालिगों को रात–रात भर बाहर नहीं रहने देना चाहिए। कांग्रेस की गोवा इकाई के प्रवक्ता अल्टोन डीज्कोस्टा ने गुरुवार को कहा कि तटीय राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गयी है। उन्होंने कहा, रात में बाहर घूमते हुए हमें क्यों डरना चाहिए?

गुजरात में 3 हजार काले हिरण एक साथ सड़क पार करते नज़र आए

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक वीडियो को रिट्वीट किया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में काले हिरणों का एक झुंड सड़क पार करते देखा जा सकता है। इस वीडियो को पहले गुजरात के सूचना विभाग ने अपने ट्विटर हैंडर से शेयर किया। उसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने इसे रिट्वीट किया। ये आश्चर्यजनक वीडियो में गुजरात के भावनगर जिले के एक राष्ट्रीय उद्यान का है। जहां हजारों काले हिरणों को सड़क पार करते देखा गया। पीएम मोदी ने इस नजारे का वर्णन करते हुए वीडियो को रिट्वीट करते हुए लिखा, उत्कृष्ट! गुजरात के सूचना विभाग ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, वेलावदार ब्लैकबक नेशनल पार्क में बड़े झुंड का वीडियो। गुजरात के सूचना विभाग ने इस वीडियो को शेयर करते हुए बताया कि, भावनगर के ब्लैकबक नेशनल पार्क में ३००० से अधिक काले हिरण सड़क पार करते हुए देखे गए। बता दें कि ब्लैकबक्स संरक्षित जानवर हैं जिन्हें १९७२ से वन्यजीव अधिनियम के तहत शिकार पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एक बार भारतीय उपमहाद्वीप में व्यापक रूप से व्यापक शिकार, वनों की कटाई और आवास क्षरण के कारण उनकी संख्या में गिरावट के बाद वे अब लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची में शामिल किया गया है।

सूबे के सिनेमाघरों पर कोरोना की मार

संवाददाता

देहरादून। कोरोना की मार से सिनेमा जगत को भी भारी नुकसान हुआ है। महीनों से कोरोना के कारण बंद पड़े सिनेमाघरों को भले ही सरकार द्वारा खोलने की अनुमति दे दी गई हो लेकिन सिनेमाघर संचालकों के लिए सिनेमा घर चलाना अब घाटे का सौदा हो रहा है। न उनके पास अच्छी दिखाने की फिल्में ही है और न फिल्म देखने वाले लोग।

राजधानी देहरादून सहित राज्य के दूसरे शहरों में बीते तीन-चार माह से सिनेमाघर बंद पड़े हैं। जिसके कारण

●न दर्शक न नई फिल्में कैसे खुलेंगे सिनेमाघर

सिनेमाघरों में काम करने वाले कर्मचारी और सिनेमाघरों के संचालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। राजधानी दून के कई सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर पहले ही बंद हो चुके और सिनेमा घर चल भी रहे थे तो अब कोरोना की मार के कारण वह भी बंदी की कगार पर पहुंच गए हैं।

खास बात यह है कि कोरोना काल में जहां एक ओर नई फिल्में रिलीज नहीं की जा रही है वही पुरानी फिल्मों के सहारे सिनेमाघरों को चलाना संभव नहीं है। एक गंभीर समस्या यह भी है कि कोरोना के डर से लोगों में सिनेमा देखने के प्रति अब पहले जैसा उत्साह भी नहीं रहा है। जब दर्शक ही नहीं है तो सिनेमा घरों का संचालन करने का भी क्या लाभ है। भले ही सरकार द्वारा सिनेमा घरों को टैक्स व बिजली बिलों में राहत दी गई हो लेकिन कई महीनों से कोरोना की मार झेल रहे सिनेमाघरों की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि राज्य के सिनेमाघरों का संचालन पूर्ववत हो सकेगा इसकी संभावनाएं दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। सिनेमाघरों के कर्मचारी भी कोरोना काल में रोजगार के दूसरे क्षेत्रों में जाने पर विवश हुए हैं।

अधिक छात्र संख्या वाले स्कूलों में दो पाली में होगी पढ़ाई

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड शिक्षा सचिव राधिका झा ने स्कूल खोलने से पहले स्वच्छता, पेयजल, शौचालय और सैनिटाइजेशन करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा सचिव ने यह सभी व्यवस्था करने की जिम्मेदारी मुख्य शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारियों को सौंपी है।

शिक्षा सचिव राधिका झा ने निर्देश दिए हैं कि मैदानी जिलों में अधिक छात्र संख्या वाले स्कूलों में दो पाली में कक्षाएं संचालित की जाए। बच्चों की पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रोडमैप तैयार किया जाए। सचिव शिक्षा ने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल खुलने पर कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास किए जाए।

अध्यापकों, भोजन माताओं व अन्य कर्मचारियों का वैक्सीनेशन कराया जाए। सचिव ने कहा कि, ऑफलाइन शिक्षण के साथ ही ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा छात्रों को प्रदान की जाए। अनुपस्थित छात्र छात्राओं की ऑनलाइन शिक्षा हासिल कर सकें। सचिव ने निर्देश दिए कि, 2 माह के भीतर सभी स्कूलों की रंगाई पुताई का कार्य पूरा करें।

विद्यालयों को एक जैसा स्वरूप मिले, इसके लिए महानिदेशक को विद्यालयों के कलर कोड के निर्णय का दायित्व दिया है। इसके साथ ही अध्यापकों का व्हाट्सएप ग्रुप अनिवार्य रूप से बनाया जाए उसमें उन बच्चों को जोड़ा जाए जिनके पास स्मार्ट मोबाइल फोन है।

उत्तराखंडियों का अपमान कर रहे हैं राजनैतिक दलः किशोर

संवाददाता

हरिद्वार। वनाधिकार आन्दोलन के संस्थापक एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष किशोर उपाध्याय ने कहा कि विधानसभा चुनाव उत्तराखंड की देहरी पर खड़ा है और राजनैतिक दल अपने-अपने एजेण्डे में मुफ्त की बात कर रहे हैं। हरिद्वार में वनाधिकार आंदोलन के साथियों को सम्बोधित करते हुए उपाध्याय ने कहा कि उत्तराखंडी स्वाभिमानी, मेहनती, ईमानदार और मानवतावादी हैं। जो लोग मुफ्त बिजली-पानी की बातें कर रहे हैं, वे उत्तराखंडियों का अपमान कर रहे हैं। कहा कि वनाधिकार आन्दोलन वनों पर उत्तराखंडियों के पुश्तैनी हक-हकूकों और

अधिकारों के लिये संघर्ष कर रहा है।

उपाध्याय ने कहा कि वनाधिकार आन्दोलन सभी राजनैतिक दलों से निवेदन कर रहा है और करेगा कि हमारे जल, जंगल और जमीं पर किये गये कब्जे की क्षतिपूर्ति दी जाय। बिजली और पानी निशुल्क दिया जाय। हर महीने एक रसोई गैस सिलेंडर निशुल्क दिया जाय। कहा कि अगला चुनाव वनाधिकार के मुद्दों पर होगा और जो वनाधिकार लायेगा वहीं प्रदेश में सरकार बनायेगा।

आउटरीच कमेटी की बैठक 31 जुलाई को

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष और कांग्रेस की नवगठित राज्य स्तरीय आउटरीच कमेटी के अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप ने कमेटी की प्रथम बैठक आगामी 31 जुलाई को पार्टी मुख्यालय में बुलाई है। उन्होंने बताया कि कमेटी पार्टी के साथ उन वर्गों को जोड़ने का प्रयास करेगी जो पार्टी में आना तो चाहते हैं लेकिन उनसे पार्टी का संपर्क नहीं हो पाता है। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि वह इस कमेटी को एक सक्रिय संगठन बनाकर राज्य में पार्टी से विमुख लोगों को पार्टी की मुख्यधारा में लाने का प्रयास करें।

उन्होंने बताया कि इस बैठक में पार्टी के कि चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह एवं कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव प्रकाश जोशी भी उपस्थित रहेंगे। उल्लेखनीय है इस 11 सदस्य समिति में धीरेंद्र प्रताप के अलावा डॉक्टर प्रदीप जोशी इशिता से (संयोजक) कर्नल मोहन सिंह, रावत सीपी शर्मा, नवतेज सिंह, मोहित उनियाल, देवेंद्र प्रताप सिंह, शांति प्रसाद भट्ट, संजीव चौधरी और संजय सिंह को शामिल किया गया है।

आर.एन.आई. 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।